कुल छपे पृष्ठों की संख्या - 4
कुल छपे प्रश्नों की संख्या- 22

A-11-28

नामांक

वार्षिक परीक्षा सत्र 2016 - 2017

कक्षा - XI (ग्यारहवीं)

विषय - हिन्दी

समय : 3.15 घंटे **पूर्णांक : 100**

निर्देश : (1) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
(2) विद्यार्थी अपने नामांक प्रश्न पत्र पर अनिवार्यत: लिखें।
(3) जिस प्रश्न के एक से अधिक भाग है, उन सभी भागों का उत्तर एक साथ ही लिखें, भिन्न-भिन्न दो स्थानों पर नहीं लिखें।
(4) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
(5) प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के सामने अंकित है।

खण्ड - 1

1. निम्न अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 5

''संस्कृति' शब्द का सम्बन्ध संस्कार से है, जिसका अर्थ है- संशोधन करना, उत्तम बनाना, परिष्कार करना। संस्कार व्यक्ति के भी होते हैं और जाति के भी। जातीय संस्कारों को ही संस्कृति कहते हैं। जलवायु के अनुकूल रहन-सहन की विधियाँ और विचार परम्पराएँ जाति के लोगों में दृढ़मूल हो जाने से जाति के संस्कार बन जाते हैं। इनको प्रत्येक व्यक्ति अपनी निजी प्रकृति के अनुकूल न्यूनाधिक मात्रा में पैतृक सम्पत्ति के रूप में प्राप्त करता है। ये संस्कार व्यक्ति के घरेलू जीवन तथा सामाजिक जीवन में परिलक्षित होते हैं। मनुष्य अकेला रहकर भी इनसे छुटकारा नहीं पा सकता।

संस्कृति का बाह्य पक्ष भी होता है और आन्तरिक भी। उसका बाह्य पक्ष आन्तरिक का प्रतिबिम्ब नहीं तो उससे सम्बन्धित अवश्य रहता है। संस्कृति एक देश विदेश की उपज होती है, उसका सम्बन्ध देश के भौतिक वातावरण और उसमें पालित, पोषित एवं परिवर्द्धित विचारों से होता है। हमारी संस्कृति के आन्तरिक अंगों को लेकर मनुस्मृति आदि धर्मग्रन्थों की रचना की गई है, जिसमें अच्छे मनुष्यों के जो अच्छे लक्षण बताये गये हैं वे जब भारतीयों की मानसिक एवं आध्यात्मिक संस्कृति के परिचायक हैं।

(i) 'संस्कृति' शब्द का अर्थ क्या बताया गया है ? 1
(ii) संस्कृति किसे कहा जाता है ? 1

कृ.पृ.उ.

(iii) जातीय संस्कार कैसे बन जाते हैं ? 1

(iv) जातीय संस्कार व्यक्ति के किस जीवन में परिलक्षित होते हैं ? 1

(v) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक बताइए। 1

2. निम्न काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 5

उठे राष्ट्र तेरे कन्धों पर, बढ़े प्रगति के प्रांगण में,
पृथ्वी को रख दिया उठाकर तूने नभ के आँगन में।
तेरे प्राणों के ज्वारों पर, लहराते हैं देश सभी
चाहे जिसे इधर कर दे तू चाहे जिसे उधर क्षण में।
विजय वैजयन्ती फहरी जो, जग के कोने–कोने में,
उनमें तेरा नाम लिखा है जीने में बलि होने में।
घहरे रन घनघोर बढ़ी सेनाएँ तेरा बल पाकर,
स्वर्ण–मुकुट आ गए चरण–तल तेरे शस्त्र संजोने में।
तेरे बाहुदण्ड में वह बल, जो के हरि–कटि तोड़ सके,
तेरे दृढ़ कन्धों में वह बल, जो गिरि से ले होड़ सके।

(i) 'उठे राष्ट्र तेरे कन्धों पर' – इसमें 'तेरे' किसके लिए कहा गया है ? 1

(ii) प्रस्तुत काव्यांश का मूल भाव क्या है ?लिखिए। 1

(iii) प्रस्तुत काव्यांश में कवि को तरूणों से क्या–क्या अपेक्षाएँ हैं ? 1

(iv) के हरि–कटि से कवि का क्या आशय है ? 1

(v) 'विजय वैजयन्ती फहरी' से कवि का क्या तात्पर्य है ? 1

खण्ड – 2

3. वाक्यांश के लिए एक शब्द बताइए-

(i) वह जो बाह्य जगत् के ज्ञान से अनभिज्ञ हो। 1

(ii) वह जो दूर की बात न सोच सके। 1

4. निम्न तत्सम शब्दों के तद्भव रूप बताइए- 2

(i) कर्म (ii) मस्तक

5. "जो परिश्रम करते हैं, वे सफल होते हैं।"

उपर्युक्त वाक्य रचना के आधार पर किस प्रकार का वाक्य है ?उसकी परिभाषा लिखिए। 2

6. निम्न वाक्यों में उचित विराम चिन्हों का प्रयोग करके पुनः लिखिए-

(i) स्वदेश प्रेम की व्यंज्जना देश सेवा से होती है 1

(ii) अरे सुख दुःख में क्यों घबराते हो 1

7. निम्न काव्य सूक्ति का भाव विस्तार/पल्लवन लिखिए- 4

करत–करत अभ्यास के जड़मति होय सुजान।

8. निम्न विषयों में से किसी एक पर सारगर्भित निबन्ध लिखिए– 8

(i) राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान (ii) बेटी बचाओ। बेटी पढ़ाओ।

(iii) विद्यार्थी जीवन में इन्टरनेट की भूमिका (iv) भ्रष्टाचार : एक विकराल समस्या

खण्ड - 3

9. हरि ! तुम हरो जीन की भीर। 5
द्रोपदी की लाज राखी, तुरत बढायो चीर।
भक्त कारण रूप नरहरि, धरयो आप सरीर।
हिरन कश्यप मार लीनो, धर्या धर्योनाहिन धीर।
बूडते गज ग्राह मार्यो, कियो बाहर नीर।
दासी मीराँ लाल गिरधर, दु:ख जहाँ तहाँ पीर।

अथवा

लक्ष्मी नहीं, सर्वस्व जावे, सत्य छोड़ेंगे नहीं,
अन्धे बने पर सत्य से सम्बन्ध तोड़ेंगे नहीं।
निज सुत–मरण स्वीकार है पर वचन की रक्षा रहे,
है कौन जो उन पूर्वजों के शील की सीमा कहे।

उपरोक्त पठित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

10. सत्संगति की महिमा कम से कम इस देश में अज्ञात नहीं रह गई है और मैं तो व्याकुलता के साथ अनुभव कर रहा हूँ कि सत्संगति ने मेरे अन्तरतम को आलोकित कर रखा है। भीतर की आवाज केवल आदत का नतीजा है। इस खास ढंग से सोचते रहने वाला आदमी उसी ढंग की आवाज सुना करता है। जिन लोगों की वाणी पर विश्वास करके आज तक चलता रहा हूँ वे ऐसा नहीं मानते। रविन्द्रनाथ ने कहा कि तू लोगों की बात पर मान न दे, हजार–हजार आकर्षण से खिंचा–खिंचा भटकता न फिर। 5

अथवा

बाबाजी भी मनुष्य ही थे। अपनी वस्तु की प्रशंसा दूसरे के मुख से सुनने के लिए उनका हृदय भी अधीर हो गया। घोड़े को खोल कर बाहर लाये और उसकी पीठ पर हाथ फेरने लगे। एकाएक उचककर सवार हो गए। घोड़ा वायु–वेग से उड़ने लगा। उसकी चाल देखकर उसकी गति देखकर खड्गसिंह के हृदय पर ...... लोट गया। वह डाकू था और जो वस्तु उसे पसंद आ जाये, उस पर अपना अधिकार समझता था। उसके पास बाहुबल था, और आदमी थे। जाते–जाते उसने कहा– बाबाजी ! मैं यह घोड़ा आपके पास न रहने दूँगा।

उपरोक्त पठित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

11. अयोध्या से बाहर वन मार्ग में दो कदम चलते ही सीताजी की दशा कैसी हो गयी ? वर्णन करो। 5

12. शिव पूजन सहाय की दृष्टि से "प्रसाद जी महान् साहित्यकार के अतिरिक्त और भी बहुत कुछ थे। स्पष्ट कीजिए। 5

13. (i) आवाजी सोनदेव शिवाजी को सबसे बड़ा तोहफा क्या देना चाहते थे और क्यों? 3
(ii) पारस पत्थर की अमूल्यता किसमें है? 3
(iii) सुधा बीज बोने वालों को कैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है? 3
(iv) हल्दीघाटी का भैरवपथ खून से क्यों रंग दिया था? 3

14. अग्नि की उड़ान के लेखक का परिचय दीजिए। 4

या

रसखान रस की खान है। कैसे? स्पष्ट करें।

15. (i) ब्रज भूमि के प्रति कवि का प्रेम किन-किन रूपों में अभिव्यक्त हुआ है? 2
(ii) डाकू खड्गसिंह ने किस विधि से बाबा भारती से घोड़ा प्राप्त किया? 2

खण्ड - 4

16. खेल कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए समीक्षा कीजिए। 6

या

'पंचतत्व के एक पुतले को अत्याचार के उपासकों ने तोप से उड़ा दिया।' देवताओं पर इस बलिदान की क्या प्रतिक्रिया हुई और क्यों?

17. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दो- 3×3=9
(i) बालिका सूरबाला मनोहर के बारे में अपने मन में क्या सोचती थी?
(ii) देशभक्त को सम्राट के लोगों ने किस प्रकार गिरफ्तार किया?
(iii) चेतना लौटने के बाद कोबायाशी ने अपने चारों ओर किस प्रकार का वातावरण देखा?
(iv) रतनसिंह ने राजकुमारी को सावधान करते हुए शत्रु के सम्बन्ध में क्या कहा?

खण्ड - 5

18. जनसंचार की क्या विशेषताएँ होती है? स्पष्ट कीजिए। 3

19. डायरी लेखन में किन बिन्दुओं पर विशेष ध्यान देना चाहिए? 3

20. जन संचार माध्यम की दृष्टि से इन्टरनेट का महत्व बताइए। 2

21. सन्दर्भ ग्रन्थ किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए। 2

22. नगर निगम पार्षद की ओर से मोहल्ले में व्याप्त गन्दगी के सम्बन्ध में नगर निगम के महापौर को एक पत्र लिखिए। 5

अथवा

जिलाधीश, बीकानेर की ओर से स्वास्थ्य सचिव, राजस्थान सरकार को अपने क्षेत्र में फैली अज्ञात बीमारी में राहत दिलवाने हेतु राजधानी से चिकित्सकों की एक टीम भिजवाने हेतु निर्धारित प्रारूप में एक कार्यालयी पत्र लिखिए।

❖❖❖